सहनु अपने ही रंग विच रंग दे

सहनु अपने ही रंग विच रंग दे,
रंग दे ओ सावरिया रंग ओ सावरिया,

तेरिया रंगा दे विच जग सारा रंगिया,
ओ रंग दिता जेहड़ा रंग किथे मंगिया,
मोजा मारदे मलंग देखे लंगदे,
रंग दे ओ सावरिया .....

कच्चे रंग खेड खेड थक गये हार गये,
हुन ता प्रभु जी मेरी बिगड़ी सवार दे,
रोम रोम मेरा अंग अंग रंग दे,
रंग दे ओ सावरिया.....

ऐसा रंग चाड सानु चढ़न खुमारिया,
कटन मरन सारे दुःख ते बीमारियाँ,
साधु सेवा नाल सानु सत्संग दे,
रंग दे ओ सावरिया,,,,,,,,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5361/title/sahnu-apne-hi-rang-vich-rang-se-rang-se-o-sanwariyan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |